समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

ओलंपिक 2028 मे पंाकिस्तान की मुश्किले बंढ़ीं! आईसीसी के नए नियम से क्रिकेट क्वालिफिकेशन पर संकट

Sanket Morankar

Published on 08 Nov 2025

क्रिकेट का ओलंपिक मंच पर लौटना दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। लगभग एक सदी बाद, **लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028** में क्रिकेट को शामिल किया गया है। लेकिन इस शानदार खबर के साथ ही एक बड़ी चिंता भी उभरी है — **पाकिस्तान क्रिकेट टीम के क्वालिफिकेशन को लेकर**।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की हालिया बोर्ड बैठक में तय किया गया कि ओलंपिक में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में **छह-छह टीमे** हिस्सा लेंगी। कुल 28 मैच खेले जाएंगे। लेकिन सबसे बड़ा बदलाव यह है कि टीमों का चयन अब केवल **रैंकिंग** के आधार पर नहीं होगा, बल्कि एक **क्षेत्रीय (Regional) मॉडल** अपनाया जाएगा।

पहले प्रस्ताव में आईसीसी की योजना थी कि टी20 रैंकिंग की शीर्ष छह टीमें सीधे ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करेंगी। मगर अब यह विचार बदल दिया गया है।
आईसीसी ने फैसला किया है कि हर **महाद्वीप** — एशिया, अफ्रीका, यूरोप, ओशिनिया और अमेरिका — से एक-एक शीर्ष टीम को सीधा प्रवेश दिया जाएगा।

इससे क्रिकेट को वैश्विक स्वरूप देने की कोशिश की जा रही है, ताकि केवल परंपरागत महाशक्तियां नहीं, बल्कि अलग-अलग क्षेत्रों के देश भी ओलंपिक में हिस्सा लें।

हालांकि, यह बदलाव कई टीमों के लिए सिरदर्द साबित हो सकता है, खासकर पाकिस्तान जैसे देशों के लिए, जो वर्तमान में टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं हैं।

एशिया महाद्वीप से केवल **एक टीम** को ही ओलंपिक टिकट मिलेगा।
वर्तमान स्थिति में **भारत एशिया की सबसे शीर्ष टी20 टीम** है, जबकि पाकिस्तान रैंकिंग में उससे नीचे है। इसका मतलब है कि

पाकिस्तान को या तो रैंकिंग में भारत को पछाड़ना होगा या फिर ओलंपिक से पहले होने वाले **वैश्विक क्वालीफायर (Global Qualifier)** के माध्यम से अपनी जगह बनानी होगी।

इसके अलावा, अन्य क्षेत्रों से **ऑस्ट्रेलिया (ओशिनिया)**, **इंग्लैंड (यूरोप)**, **दक्षिण अफ्रीका (अफ्रीका)** और **संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिका)** के सीधे स्थान पाने की संभावना अधिक है।
ऐसे में पाकिस्तान के लिए केवल एक बचा हुआ क्वालीफायर स्लॉट ही विकल्प बचेगा — जो अत्यंत प्रतिस्पर्धी होगा।

आईसीसी का उद्देश्य इस नए प्रारूप के माध्यम से क्रिकेट को अधिक वैश्विक बनाना है।
अब छोटे देशों को भी ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर आने का मौका मिलेगा, जिससे खेल का विस्तार बढ़ेगा।

आईसीसी बोर्ड की ओर से कहा गया:

> "ओलंपिक 2028 क्रिकेट के वैश्विक विकास में एक नया अध्याय साबित होगा। छह-छह टीमों के साथ यह टूर्नामेंट दुनिया के हर क्षेत्र को प्रतिनिधित्व का अवसर देगा।"

यह निर्णय रणनीतिक दृष्टि से सही है, लेकिन इसके कारण कुछ पारंपरिक क्रिकेट देशों को बाहर होना पड़ सकता है।

क्रिकेट प्रेमियों की सबसे बड़ी उम्मीद यह थी कि ओलंपिक में भारत और पाकिस्तान का ऐतिहासिक मुकाबला देखने को मिलेगा।
मगर मौजूदा क्वालिफिकेशन प्रारूप ने इस संभावना को बहुत हद तक कम कर दिया है।

यदि भारत सीधे एशिया से क्वालिफाई कर जाता है और पाकिस्तान क्वालीफायर में जगह नहीं बना पाता, तो दोनों टीमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक में एक साथ दिखाई नहीं देंगी।
भले ही दोनों टीमें किसी तरह टूर्नामेंट तक पहुँच भी जाएँ, तो भी ग्रुप विभाजन और नॉकआउट चरण पर निर्भर करेगा कि वे आमने-सामने आएंगी या नहीं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) अब इस चुनौती से निपटने के लिए रणनीति बना रहा है।
बोर्ड का मानना है कि देश को ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित आयोजन से दूर नहीं रहना चाहिए।

सूत्रों के मुताबिक, PCB आईसीसी से यह अनुरोध करेगा कि क्वालिफिकेशन कट-ऑफ डेट और चयन प्रक्रिया जल्द घोषित की जाए। साथ ही, पाकिस्तान अब अपने **टी20 प्रदर्शन मे सुधार** लाने और **रैंकिंग मे ऊपर आने** पर पूरा ध्यान केंद्रित करेगा।

पीसीबी अधिकारियों का कहना है कि टीम के पास अभी समय है, और अगर प्रदर्शन में निरंतरता लाई गई तो ओलंपिक टिकट मिल सकता है।

पूर्व कप्तान और क्रिकेट विशेषज्ञों का कहना है कि यह नया मॉडल "खेल के विस्तार" के लिए अच्छा है, लेकिन इससे स्थापित टीमों पर दबाव बढ़ गया है।
विशेषज्ञों के अनुसार, पाकिस्तान के लिए अब हर टी20 मैच महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि हर जीत सीधे ओलंपिक संभावना को प्रभावित करेगी।

पूर्व खिलाड़ी राशिद लतीफ़ का मानना है:

> "अगर पाकिस्तान को ओलंपिक में जगह बनानी है तो उसे सिर्फ रैंकिंग पर नहीं, बल्कि निरंतर जीत पर ध्यान देना होगा। आने वाले दो साल टीम की असली परीक्षा होंगे।"

क्रिकेट की ओलंपिक वापसी निश्चित रूप से खेल जगत के लिए ऐतिहासिक पल है। लेकिन यह वापसी कई टीमों के लिए चुनौती लेकर आई है।
आईसीसी का नया **क्षेत्रीय क्वालिफिकेशन मॉडल** जहां वैश्विक विविधता को बढ़ावा देगा, वहीं पाकिस्तान जैसे देशों के लिए यह "करो या मरो" की स्थिति बन सकता है।

अगर पाकिस्तान ने आने वाले महीनों में प्रदर्शन और रणनीति पर ध्यान नहीं दिया, तो **लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028** के क्रिकेट टूर्नामेंट में उसकी अनुपस्थिति क्रिकेट जगत के लिए बड़ी खबर होगी।

अब सबकी नज़रें इस बात पर हैं कि क्या पाकिस्तान आने वाले क्वालीफायर तक अपनी किस्मत बदल पाएगा — या फिर ओलंपिक में उसका सपना अधूरा रह जाएगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.